



याराना का तीसरा दौर-8

“मेरे छोटे भाई की पत्नी शादी से पहले ही मेरे लंड के ख्वाब देखने लगी थी. हालांकि छोटे भाई का लंड भी बहुत दमदार था मगर वह अब भी मेरे ही लंड की दीवानी थी. उसने अपने मन की कौन सी इच्छाएं पूरी कीं, कहानी के अंतिम भाग में पढ़ें. ...”

Story By: (raajveer69)

Posted: Wednesday, April 24th, 2019

Categories: [भाभी की चुदाई](#)

Online version: [याराना का तीसरा दौर-8](#)

याराना का तीसरा दौर-8

दोस्तो, पिछले भाग में आपने मेरे छोटे भाई विक्रम और मेरी खूबसूरत सेक्सी पत्नी रीना की चुदाई का वर्णन पढ़ा. अब इस आखिरी भाग में मेरी मतलब राजवीर और वीणा की चुदाई का वर्णन पढ़िये.

मेरे छोटे भाई की नंगी पत्नी वीणा मेरी बांहों में थी जिसे उठाकर मैं दूसरे कमरे में लाया था। मेरा खड़ा लिंग वीणा के कूल्हों पर स्पर्श कर रहा था जिसे महसूस करके वीणा मुस्कुरा रही थी।

मैंने वीणा को प्यार से बिस्तर पर लेटाया और कमरे को अंदर से लॉक कर दिया। जैसे ही मैंने वीणा की तरफ देखा, वह मेरी तरफ देख कर मुस्कुरा रही थी। उसके हाव-भाव से लग रहा था कि वह बहुत ही खुश है। मैं जाकर उसके बगल में लेट गया। फिर हम दोनों में कुछ वार्तालाप हुआ जो कि इस प्रकार है :

वीणा- राज भैया, आज मैं बहुत खुश हूँ। इतनी खुशी मुझे अपनी शादी के दिन भी नहीं हुई थी। मैं आपसे प्यार करती हूँ। शायद आप इसे वासना कहें लेकिन जब मैंने आपको और रीना भाभी को कई रातों तक आपस में संभोग करते देखा तो मेरे मन में आपको पाने की लालसा जाग उठी।

मैं तब से आपके सपने देख रही हूँ. मुझे आपके अलावा और कोई गवारा नहीं। हालांकि आपकी शादी हो चुकी थी इसलिए मैं आपकी साथी बन जाऊँ, ऐसा तो संभव नहीं था लेकिन एक पल के लिए भी मैं आपको भुला नहीं पाई।

मैं- देखो वीणा, मेरे और रीना के संभोग में कुछ खास नहीं था. यह तो सब करते हैं किंतु वह तुम्हारी कच्ची उम्र थी जब तुमने हमें संभोग करते देखा। यह केवल एक बार नहीं अपितु

बार-बार था।

इस उम्र में जब किसी को पॉर्न फिल्म देखने को मिलती है तो उसका हाल भी यही होता है किंतु तुमने तो पॉर्न फिल्म को जीवन्त रूप में देखी थी. अतः तुम्हें मुझसे आकर्षण हुआ। अपनी शादी के बाद भी तुम मेरे सपने देखती हो ? क्या विक्रम तुम्हें प्यार नहीं करता ? क्या वह तुम्हें संभोग में संतुष्टि प्रदान नहीं करता ?

वीणा- ऐसी बात नहीं है राज भैया ! विक्रम संभोग करने में बहुत अच्छा है. वह तो चूत की एक-एक नस खोल देता है। पर न जाने क्यों मेरे दिमाग में आपकी ही तस्वीर संभोग करते हुए बनी हुई है। आप इसे नहीं समझोगे। औरत का प्यार ऐसा ही होता है। अगर किसी के लिए चढ़ जाए तो आसानी से नहीं उतरता। मैं अभी तक आपके मोटाई वाले लंड को नहीं भूली हूं. उसकी तस्वीर मेरे दिमाग से कभी नहीं उतरी है।

माना कि शादी के कुछ समय बाद तथा शादी के कुछ समय पहले विक्रम ने मुझे चोद-चोद कर आप का लंड भुलाने में मेरी मदद की किंतु जब मुझे विक्रम द्वारा आप की और रणवीर, प्रिया की अदला-बदली वाली चुदाई के बारे में पता चला तो मैं फिर बहक गयी। पतियों की अदला-बदली करके भी चुदाई की आती है यह सुनकर मैं उत्तेजना की वजह से पागल हो गई। दिन रात मुझ पर अदला-बदली का ख्याल चढ़ा रहता।

फिर मेरे सामने एक समस्या आई कि रणवीर तो दोस्त था और हम तो रिश्तेदार हैं। रीना विक्रम की भाभी है और आप मेरे जेठ ... तो हमारी अदला-बदली तो कभी नहीं हो सकती। लेकिन जब विक्रम ने आपकी और आपकी सलहज की अदला-बदली के बारे में बताया तो मुझे विश्वास हो गया था कि मैं आपको पा सकती हूं और तब से आपके साथ संभोग करने के सपने मजबूत होते गए क्योंकि विक्रम और मैं दोस्त थे। हम एक दूसरे से यह बातें आसानी से कर लेते थे कि राजवीर भैया जब अपनी बीवी को उसके सगे भाई से चुदवा सकते हैं तो अपने भाई से क्यों नहीं ? फिर जो हुआ वह तो आपको पता ही है।

मैं- जो हुआ बहुत अच्छा हुआ। अब अन्तर्वासना का समाधान हो जाए। तुम्हारे सपनों का

लन्ड तुम्हारी चूत की खुजली मिटाने के लिए तत्पर है।

वीणा- क्या कभी आपके मन में मेरे लिए वासना जागृत नहीं हुई ?

मैं- सच बताऊं तो जब तक हम हमारे गांव में रहते थे तब तक तो नहीं। फिर इस बदलाव वाले जीवन अर्थात अदला-बदली वाले जीवन की शुरुआत करने के बाद दिल काफी बिगड़ गया। यह एक ऐसा नशा है जो कभी दिमाग से नहीं उतरता। एक भी ऐसी सुंदर वैवाहिक स्त्री नहीं बची होगी जिसे मैंने देखा होगा और उसके साथ अदला-बदली करके चुदाई के बारे में नहीं सोचा होगा।

अदला-बदली करके चुदाई करने में जो सुख है वह चोरी छुपे महिला मित्र और पुरुष मित्र से चुदाई करने में नहीं। इसका नशा कुछ अलग ही है। श्लोक और सीमा के बाद जब तुम उनकी जगह यहाँ आए तो तुम्हारे बारे में भी ऐसे विचार आना स्वाभाविक था। लेकिन विक्रम को देखते हुए मैंने उनको अपने ऊपर हावी होने नहीं दिया। मुझे लगा कि विक्रम को इस खेल में शामिल न ही किया जाए तो सही रहेगा क्योंकि वह सीधा है। लेकिन मुझे क्या पता था वह जलेबी की तरह सीधा निकलेगा!

एक बार तुम नहाने के बाद छत पर कपड़े सुखाने टॉवल में ही चली गई थी। यह दिन का समय था जिस वक्त मैं ऑफिस में हुआ करता था। लेकिन उस दिन मैं ऑफिस नहीं गया था। इसके बारे में तुम्हें पता नहीं था। तुमने सोचा घर पर केवल रीना और तुम ही हो। तुमने अपने स्तनों पर टॉवल लपेटकर अपने कूल्हे व स्तन ढक रखे थे। उस वक्त मैं ऊपर वाले कमरे में ही था। तुम्हें इसके बारे में पता नहीं था। लेकिन जब मैंने अंदर से तुम्हें देखा तो देखता ही रह गया।

उस दिन मैंने तुम्हारे उभरे हुए स्तनों का आकार तथा गोरी भरी हुई मोटी जांघें देखीं। जिसने मेरे लंड में हलचल मचा दी। मैं तब तक तुम्हें निहारता रहा जब तक तुम मेरी नजरों से ओझल नहीं हो गई। तुम्हें देख कर मुझे टेलीविजन अभिनेत्री रश्मि देसाई को इस

प्रकार देखने की अनुभूति हुई। मैंने इंटरनेट पर उसका एक भी वीडियो नहीं छोड़ा और सब तुम्हारी दीवानगी में देखता गया। बहुत ज्यादा उत्तेजित हो जाने पर मैंने रीना को वीणा समझकर जोरदार तरीके से चोदा और ऐसा मैं सप्ताह में कम से कम 4 बार करता था।

इसीलिए रीना और मेरा संभोग जीवन सफल है क्योंकि मुझे भी पता है कि वह भी ख्यालों में किसी और से चुदाई करवाती है और मैं भी ख्यालों में किसी और की चुदाई करता हूं। जिसके बारे में हम एक दूसरे को नहीं बताते। हम तो केवल रणवीर और श्लोक तक की ही बातें करते हैं। बाकी किसे पता कि रीना कितनों से खयालों में चुदी है और मैंने न जाने कितनी चूतों को खयालों में चोदा है।

वीणा- जी, यह बहुत ही अनोखा तरीका है, अपने खयालों में किसी और के साथ चुदाई करके अपने मन की इच्छा पूरी करने का। इसका मजा मैंने और विक्रम ने भी काफी लिया है। मुझे बहुत खुशी हुई भैया कि आपने भी मेरे लिए वासना महसूस की। अब तो मजा जरूर आएगा इस चुदाई का।

देखो मेरी चूत गीली हो गई है। मुझे भी आपके लंड को खड़ा हुआ देखा नहीं जा रहा। आओ शुरू करते हैं आज का घमासान।

मैं- घमासान तो आज होगा ही। पहले सोच रहा हूं कि तुम्हारी कुछ खाहिशें पूरी कर लूं क्योंकि तुम्हारा भरा हुआ शरीर है। इसे देखकर मुझे नहीं लगता कि मैं ज्यादा देर अपने आप पर काबू कर पाऊंगा और अगर मुझ पर एक बार उत्तेजना हावी हो गई तो फिर मैं केवल अपने मन की करूंगा।

वीणा- ठीक है राज भैया! आज मैं अपने मन की करवाती हूं। मैं अपने सबसे पसंदीदा सेक्स आसन 69 में आपके लंड को अपने मुंह में निचोड़ना चाहूंगी। उसी समय आप भी मेरी चूत का रसपान कीजिए। मेरी पहली खाहिश तो यही है क्योंकि मैंने आपको रीना भाभी के साथ सबसे पहले यही करते देखा था।

नग्न तो हम दोनों थे ही ... एक दूसरे के शरीर को स्वयं से चिपका कर हमने एक दूसरे को आलिंगन में लिया था तथा एक दूसरे के शरीर को स्वयं के शरीर पर स्पर्श कराकर मजे की अनुभूति कर रहे थे। उसके बाद हमने एक दूसरे के होंठों को मुंह में लेकर उनका रसपान किया।

वीणा बहुत ही सुंदर गोल चेहरे वाली तथा शानदार भरे-पूरे शरीर वाली स्त्री थी, जिसके प्रतिरूप का उदाहरण तो मैं दे ही चुका हूँ। वीणा की शारीरिक संरचना जिससे मिलती है, इस कहानी को पढ़ते वक्त उसे आप इंटरनेट पर देखेंगे तो कहानी का रोमांच और ज्यादा आएगा।

वीणा ने अपने बाल क्लिप से समेटे हुए थे जिन्हें मैंने पूरी तरह से खोल दिया। अब वह खुले बालों में नग्न अप्सरा लग रही थी।

मैंने वीणा के चेहरे से अपना मुंह हटा कर उसके उभरे हुए स्तनों पर अपने मुंह से प्रहार बोल दिया तथा उसके गोल, बड़े, सफेद रंग के स्तनों को चूस कर ... चाट कर तथा दांतों से काट कर लाल कर दिया। रीना की हल्के गुलाबी रंग की चूचियां जो कि पूर्ण रूप से तनी हुई थीं, मेरे चेहरे पर स्पर्श करके मेरे शरीर में एक अलग ही गुदगुदी उत्पन्न कर रही थीं।

उत्तेजना में मैंने वीणा के चूचुक को भी काट लिया। मेरी हरकतें वीणा को उत्तेजित कर रही थीं लेकिन उसका मकसद कुछ और था। उसने मुझे जोरदार धक्का देकर बेड पर लेटा दिया और अपने कूल्हों को मेरे मुंह पर रख कर अपनी चूत मेरे मुंह पर टिका कर उसे मेरे मुंह पर रगड़ने लगी।

यह देख कर मुझे विक्रम के द्वारा बताई गई विक्रम और वीणा की पहली चुदाई की दास्तान याद आ गई। मैंने विक्रम की कहानी से मन हटा कर वीणा की गुलाबी चूत पर ध्यान लगाया और अपनी जीभ का पूरा इस्तेमाल करते हुए मैंने अपने छोटे भाई की पत्नी की

चूत और उसके गांड के छेद को चाट चाट कर गीला कर दिया ।

वीणा मेरा लिंग पूर्ण रूप से अंदर लेकर अपने मुंह को ऊपर नीचे करने लगी । हमने करीब 5 मिनट तक एक दूसरे को सिक्स नाइन की मुद्रा में मुंह से चोदा. उसके बाद वीणा ने अपनी अगली इच्छा जाहिर की ।

उसने मुझे कमरे में रखी लकड़ी की कुर्सी पर बिठाया जिस पर हाथ का सहारा रखने वाले हथे नहीं थे बल्कि केवल पीछे ही पीठ का सहारा लेने के लिए व्यवस्था थी । मैं वीणा के कहे अनुसार उस कुर्सी पर अपना खड़ा लिंग लिए बैठ गया. उसके बाद वीणा अपनी गांड मटकाती हुई मेरे पास आई और अपने स्तन को मेरे सीने पर दबाते हुए मेरे लिंग को अपनी चूत में समाहित किए हुए मेरी तरफ मुंह करके मेरी गोद में बैठ गई ।

अब वीणा के स्तन मेरे सीने पर स्पर्श कर रहे थे । वीणा ने मेरे होंठों को अपने होंठों में लेकर अपनी टांगों को नीचे फर्श पर लगाकर अपनी टांगों के इस्तेमाल से अपने आप को ऊपर नीचे करना शुरू किया जिससे कि मेरा खड़ा लिंग वीणा की चूत में अंदर-बाहर होने लगा ।

मुझे वीणा की चुदाई का यह तरीका बेहद खास लगा ।

थोड़ी देर में वीणा के पांव की गति तेज हो गई. उसके गोल-गोल बड़े-बड़े स्तन मेरे सीने से टकराने लगे । वीणा ने गति इतनी तेज कर ली कि वह अब अपनी सांसों पर संयम नहीं कर पा रही थी ।

उसने अपने मुंह को मेरे मुंह से अलग किया और अति उत्तेजना में आह ... आह ... की ध्वनि निकाल कर मेरे लंड पर उछल-कूद करने लगी ।

वीणा अपनी गांड का इस्तेमाल इस प्रकार कर रही थी कि जब भी ऊपर होकर नीचे की तरफ आती तो मेरी जांघों पर टकराकर पट-पट की जोरदार ध्वनि उत्पन्न करती ।

जब वीणा के पांव जवाब देने लगे तो मैंने अपनी टांगों का इस्तेमाल करते हुए वीणा की चूत की गहराई तक अपने लंड को पहुंचाना शुरू किया और करीब 5 से 7 मिनट की चुदाई के बाद हम दोनों की टांगों ने जवाब दे दिया. अब हमने अपनी सेक्स स्थिति बदलने की सोची।

वीणा ने अपनी गीली चूत में से सना हुआ मेरा लंड बाहर निकाला और कमरे की स्टडी टेबल पर अपने स्तनों को टिका दिया। वीणा अपने पांव पर खड़ी होकर अपने पूरे शरीर को टेबल पर लेटा चुकी थी.

उसने अपनी गर्दन और स्तनों को टेबल पर लेटा कर अपने हाथों को पीछे मोड़कर अपने कूल्हे को अपने हाथ से जोर से थपथपाया और कहा- कम ऑन राज ! माय ऐस्स इज वेटिंग फॉर यू। (आओ राज, मेरी गांड का छेद तुम्हारा इंतजार कर रहा है)

वीणा की यह अदा मुझे भा गई। मैं कुर्सी से उठकर उसकी तरफ गया और उसके पीछे खड़े होकर उसकी गांड पर जोर से थप्पड़ मारा। दोस्तो, वास्तव में क्या गांड थी वीणा की ! गोलाकार गौरे रंग की गांड. अगर कोई टाइट कपड़ों में ऐसे ही देख ले तो उससे मुट्ठ मारे बिना नहीं रहा जाए और यह तो मेरे सामने अपने असली रंग को दर्शाती हुई नंगी गांड थी।

मैंने वीणा के बालों को पीछे खींचते हुए उसकी चूत में अपना लंड ठेल दिया और अपनी पूरी जान लगा कर वीणा की चूत को चोदने लगा. कमरे में जोरदार फच-फच की आवाज गूंजने लगी। जब मेरा लिंग वीणा की चूत के चिकने पानी से पूर्ण रूप से चिकना हो गया तब मैंने उसे वीणा की गांड के छेद पर टिका कर अंदर डालने का प्रयास किया।

वीणा भी अपनी गांड का उद्घाटन विक्रम से शादी से पहले ही करवा चुकी थी इसलिए मेरे लंड ने वीणा की गांड में जाने में ज्यादा समय नहीं लगाया. मेरा लंड वीणा की गांड में तो चला गया था लेकिन मैं उसमें अभी तक धक्का नहीं मार पाया था क्योंकि लंड को अंदर

बाहर करने में मुझे वीणा की गांड का कसाव कुछ ज्यादा ही महसूस हो रहा था ।

वीणा बोली- राज, तुम्हारा लंड विक्रम से ज्यादा मोटा है । इसलिए मुझे अपनी गांड में दर्द की अनुभूति हो रही है. कृपया थोड़ा आराम से करना ।

वीणा ने तो मुझसे अपना लंड अंदर-बाहर आराम से करने की गुजारिश की किंतु विक्रम से थोड़ा ज्यादा मोटा होने की तारीफ मुझे कुछ ज्यादा ही उत्तेजित कर गई । अतः मैंने दरिदे की तरह अपने लिंग को वीणा की गांड के छेद के बाहरी मुंह तक निकाला और एकदम से जोर से अंदर पेल दिया । वीणा यह झटका संभाल नहीं पाई और उसके मुंह से 'ओ बहन चोद ...' की गाली निकल गई ।

मुझे उसके द्वारा निकाली गई गाली ने और उत्तेजित किया और मैंने फिर अपने लंड को बाहर निकाल कर फिर जोर से उसकी गांड में ठेला । इस बार उसने मुझसे मादरचोद कहा और जोर-जोर से कहने लगी कि अपने लंड को मेरी गांड से बाहर निकालो ।

जैसा कि मैंने कहा था, मैंने अपनी उत्तेजना में अपना आपा खो कर अपने धक्कों की गति और तेज कर दी इस तरह मेरी कमर और वीणा की गांड की टकराहट से जोरदार आवाजें आने लगी ।

थोड़ी देर बाद वीणा की गांड के छेद ने मेरे लंड को एडजस्ट कर लिया और वीणा भी इस गांड चुदाई का मजा लेने लगी । वीणा की कसमसाई गांड में झटके लगा-लगा कर मुझे अहसास हुआ कि अब मैं झड़ने वाला हूं । अतः मैंने अपना लिंग वीणा की गांड से निकाल कर इसी स्थिति में उसकी चूत में पेल दिया और उसकी चूत को अपने लंड से फाड़ने लगा ।

वीणा जोर से अंग्रेजी में फक फक फक ... बकने लगी । थोड़ी देर में वीणा की चूत ने मेरे लंड पर हल्का सा फव्वारा छोड़ दिया तथा मैंने भी अपना सारा माल उसकी चूत में छोड़ दिया.

वीणा की इस धुआंधार चुदाई से हम दोनों की टांगों ने जवाब दे दिया था क्योंकि ज्यादातर चुदाई हमने हमारे टांगों के बल पर ही की थी. जिसके कारण हम थक कर बिस्तर पर आकर लेट गए।

हम दोनों बिस्तर पर नंग-धड़ंग पड़े हुए थे और हमारी सांसें तेज चल रही थीं। हमारी चुदाई रुकने से जैसे ही शांति हुई तो पास वाले कमरे से रीना और विक्रम के कमर और कूल्हों की टकराहट की जोरदार पट-पट वाली आवाज हमारे कमरे तक आ रही थी जिसे सुनकर हम दोनों की हंसी छूट गई।

वीणा ने कहा- देवर और भाभी की जोरदार चुदाई चल रही है। विक्रम आज रीना को बुरी तरह चोद देगा।

इस पर मैंने वीणा से कहा- मेरी प्यारी जानू! तुम रीना को नहीं जानती। विक्रम रीना को नहीं बल्कि रीना विक्रम की इस प्रकार चुदाई करेगी कि सुबह अगर विक्रम ने दर्द से अपना लंड नहीं पकड़ लिया तो मेरा नाम बदल देना।

इस प्रकार दोनों की हंसी फिर छूट गई।

वीणा बोली- विक्रम का लंबा लंड रीना की चूत की इतनी गहराई तक जाएगा कि आपका वहां तक नहीं पहुंचता होगा।

इस पर मैंने वीणा को जवाब दिया कि मेरा लंड भी तो तुम्हारी चूत की चौड़ाई को बढ़ाता हुआ अंदर गया है. इतना चौड़ा कि विक्रम पहले कभी नहीं कर पाया होगा।

इस तरह की उत्तेजना भरी बातों के कारण हम दोनों के गुप्तांगों ने एक बार फिर हमारे दिमाग को इशारा दिया कि एक घमासान चुदाई फिर हो जानी चाहिए।

इसलिए मैंने जैसे ही वीणा के स्तनों को पकड़ते हुए अपने लंड को उसकी चूत के पास बढ़ाया, इस पर वीणा ने मुझे रोकते हुए कहा- आप की पहली चुदाई ने मजे के साथ दर्द भी

दिया है। अबकी बार इस तरह से चुदाई करते हैं कि चुदाई के साथ सिकाई भी हो जाए।

वीणा उठ खड़ी हुई और अपनी मादक चाल से चलते हुए बाथरूम के अंदर घुस गई। उसने बाथटब को गुनगुने पानी से भर दिया और मुझे बाथरूम में बुला लिया। मैं अपना खड़ा लंड लेकर बाथरूम में गया जहां वीणा ने मेरा लंड पकड़ते हुए मुझे बाथटब के अंदर खींच लिया। मैं बाथटब में बैठ गया जिसका पानी मेरे सीने तक आ रहा था। वीणा ने भी अपने आप को बाथटब में गिरा लिया।

अब हम दोनों के नंगे जिस्म झाग वाले गुनगुने पानी में एक दूसरे से घर्षण करने लगे। हमने एक दूसरे को चुंबन करते हुए एक दूसरे के गुप्तांगों को सहलाना शुरू किया। उत्तेजना के चरम पर पहुंच कर वीणा मेरी गोद में आकर बैठ गई और उसने अपनी चूत में मेरा लंड फंसा लिया। अब हम दोनों की टांगें विपरीत दिशा में थीं और वीणा मेरी गोद में बैठे हुए मेरे लिंग की सवारी मानो इस तरह कर रही थी जैसे किसी घोड़े पर बैठने के बाद सवारी करते हुए घुड़सवार ऊपर नीचे होता है।

हम दोनों की तेज चुदाई से बाथटब का पानी छपाछप करने लगा।

हमारी चुदाई इतनी तेज थी कि बाथटब का पानी बाहर तक बहने लगा। अब हम दोनों अपने कूल्हों का इस्तेमाल करके एक दूसरे के अंदर समाने का प्रयत्न करने लगे। काफी देर तक इस तरह चुदाई करने के बाद मैंने अपनी सेक्स पोजिशन बदलनी चाही किंतु वीणा इस चुदाई से इतनी उत्तेजित हो गई थी कि उसने मुझे छोड़ा ही नहीं और मेरे लिंग पर लगातार उचकती रही।

इसी तरह की अवस्था में हम एक-दूसरे से बेहद जकड़न वाला आलिंगन करके एक दूसरे के अंदर समाते हुए झड़ गए। करीब 5 मिनट तक हम बाथटब में अपनी थकान मिटाते रहे। उसके बाद हल्का सा शावर लेकर गीले बदन ही अपने बिस्तर पर पहुंचे। वीणा आकर मेरे सीने से चिपक गई और हल्की सी मुस्कराहट के साथ आंखें बंद करके सो गई। थोड़ी देर के

बाद उसे थकान होने के कारण गहरी नींद आ गई थी।

रात के करीब 3:00 बजे थे। विक्रम और रीना के कमरे से आने वाली चुदाई की आवाज भी रुक गई थी। शायद वो दोनों भी सो गए थे।

इस तरह आज भाइयों ने अपनी बीवियों को बदल कर भोगा था, देवर ने भाभी और जेठ ने बहू की चूत चुदाई की।

यह सोच कर ही मन रोमांचित हो रहा था। मैं लेटे-लेटे सोचने लगा कि अब कल क्या होगा? अब तो ये खेल शुरू हो गया है। अब तो सीमा और श्लोक की तरह ही रोजाना अदला-बदली करके इस चुदाई के आनंद को काफी समय तक भोगना है।

इस तरह के याराना के अब हम कुल 8 यार हो गए थे जिन्होंने अपनी साथियों को बदल कर याराना में भोगा था।

मेरा मन यह कल्पना करने लगा कि क्या हमें कभी रणवीर-प्रिया, सीमा-श्लोक को यहां बुला कर आठ लोगों की सामूहिक चुदाई का कार्यक्रम का आयोजन करना चाहिए?

वह पल कितना सुखद होगा जब एक ही लंड को अपनी बीवी के साथ चार अन्य लोगों की बीवियां मुंह में लेकर चूसेंगी और अपनी चूत में ग्रहण करेंगी।

कुछ इस तरह की कल्पना करते हुए मेरी आंख लग गई और मैं गहरी नींद में सो गया।

अंतर्वासना के प्यारे दोस्तों, याराना के इस अध्याय पर यहीं विराम लगाते हैं। आगे की कहानी हमारे सुबह उठने के साथ से ही शुरू होगी।

रीना-राजवीर, रणवीर-प्रिया, श्लोक-सीमा और विक्रम-वीणा के याराना के बाद कोई नया जोड़ा है जो हमारे साथ अदला-बदली की चुदाई करने वाला याराना बनाने वाला है।

एक नई शुरुआत होने का रोमांच अभी बाकी है। उस नए जोड़े को अपनी चालाकी से इस

याराना में शामिल करने का किस्सा सुनाना अभी बाकी है।

खूब पकेगी चुदाई की स्वादिस्ट खीर, जब नए जोड़े से मिलेंगे आपके प्यारे रीना और राजवीर!

इंतजार कीजिए नए याराना का।

दोस्तो, जितना इंतजार है आपको आने वाली नई कहानी का, उतने ही प्यार से नीचे दी गई मेल आई-डी पर मेल कीजिए. अपनी प्रतिक्रियाओं द्वारा आपके जीवन में हमारी इस कहानी की महत्व को प्रदर्शित कीजिए.

आपके मेल के इंतजार में विक्रम-वीणा और राजवीर-रीना।

raajveer6969@gmail.com

Other stories you may be interested in

कॉलेज टीचर के साथ फर्स्ट टाइम सेक्स का मजा- 2

अब तक की मेरी इस सेक्स कहानी के प्रथम भाग कॉलेज टीचर के साथ फर्स्ट टाइम सेक्स का मजा- 1 में आपने पढ़ा था कि श्रेया मैडम मुझसे चुदने के लिए चुदासी हो चली थीं. हम दोनों झील के किनारे [...]

[Full Story >>>](#)

डॉक्टर साहब की गांड मराने की तमन्ना

“उई ... बहुत मोटा है..!” “क्या लग रही है ? निकाल लूं ?” “नहीं डाले रहो ... उसने सही कहा था.” “किसने ? क्या बात है ?” “तो शुरू करूं ... परमीशन है ?” “हां भाई साहब यह भी कोई पूछने की बात है. लंड [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त की रजामंदी से उसकी बीवी की चुदाई

मैं अन्तर्वासना का एक लम्बे समय से पाठक रहा हूँ. लेखकों द्वारा साझा किए गए अनुभव पढ़कर मुझे बहुत अच्छा लगता है. उनकी कहानियां पढ़कर मैंने भी कई बार सोचा कि मैं भी अपने जीवन से जुड़ी ऐसी घटनाओं के [...]

[Full Story >>>](#)

कामवाली आंटी के साथ पहली और यादगार चुदाई

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम मनमीत सिंह है. मैं रोहतक हरियाणा से हूँ. अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली कहानी है. कोई गलती हो जाए तो माफ़ कर देना. यह कहानी आज से सात साल पहले की है, जब मैं दूसरे शहर [...]

[Full Story >>>](#)

गैर लड़के के सामने चुदाई की वो खूबसूरत रातें

मेरा नाम विनय है, मैं नौकरी करता हूँ और मेरी शादी को काफी साल हो चुकी है। मेरी पत्नी का नाम नीलम है। मैं उस समय की बात बता रहा हूँ जब मेरी शादी को केवल 7-8 महीने का वक्त [...]

[Full Story >>>](#)

